UGC-CARE GROUP I LISTED
ISSN [illegible]
वर्ष 13 अंक 2 मार्च-अप्रैल 2021

दृष्टिकोण

कला, मानविकी एवं वाणिज्य की मानक शोध पत्रिका

India's Leading Refereed Hindi Language Journal

IMPACT FACTOR : 5.051

Seth R.C.S. Arts & Commerce College
DURG
Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
DURG (C.G.)

[illegible] एवं [illegible] वैविध्य : कहानियों के विशेष सन्दर्भ में [illegible]; प्रो० [illegible] 926
[illegible] 'थकी हुई सुबह' का समीक्षात्मक अनुशीलन-डॉ० [illegible] 939
[illegible]: [illegible] की कविता में प्रकृति की [illegible] छवि-[illegible] सिंह 942
[illegible] हेतु [illegible]-विशिष्ट दृष्टिकोण एवं उपचार की आवश्यकता-डॉ० [illegible] 946
हठप्रदीपिका व घेरण्ड संहिता में प्राणायाम का स्वरूप-ज्योति शर्मा; प्रो० गणेश शंकर गिरि 949
[illegible]: एक पुनरावलोकन-डॉ० मुदिता तिवारी 953
[illegible] स्वर के दस्तावेज़: दलित कहानियाँ (संदर्भ: हिन्दी साहित्य)-डॉ० कृपा किन्जल्कम 957
वर्तमान भारत में किसानों की दशा और दिशा-डॉ० स्मिता 960
महात्मा गांधी के प्रेरणा स्रोत-डॉ० अखिलेश पाल 966
[illegible] की राजनीति-प्रबोध कुमार यादव; डॉ० प्रभात रंजन 969
गांधी दर्शन-डॉ० संजीत कुमार सिंह 972
भारतीय दर्शन में अस्तित्ववाद और मानवतावाद : राधाकृष्णन के विचारों की प्रासंगिकता-डॉ० रेशमा सुलताना 975
स्वतंत्रता कालीन भारत की राजनैतिक स्थिति और पत्रकारिता-डॉ० शंकर जो 978
राजस्थान में मतदाता व्यवहार एवं जाति-डॉ० शीतल मीणा; जगदीश प्रसाद मीणा 982
महात्मा बुद्ध के जीवन एवं बौद्ध धर्म के दर्शन -सिद्धांतों के विविध आयाम-रामेन्द्र कुमार 985
गांधी का पर्यावरण दर्शन-डॉ० वर्षा रानी 990
उपभोक्ता आधारित अर्थव्यवस्था बनाम निवेश आधारित अर्थव्यवस्था-डॉ० संजीव कुमार सिंह 992
महाप्राण ध्वनि का किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव का अध्ययन-मोनिका संठिया; डॉ० युवराज सिंह खंगारोत 996
उच्च, मध्यम व निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण बालक एवं बालिकाओं के व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन
-अमरजीत सिंह; डॉ० डी० एस० सिंह बघेल 1002
मानवाधिकार और न्यायिक निर्णय-जितेन्द्र भारती 1009
धर्मनिरपेक्षता के भारतीय पहलू और भारतीय संविधान-डॉ० नागेन्द्र सिंह भाटी 1016
प्राचीनयन्त्रविज्ञानम्-मनु आर्या 1019
वरिवस्यारहस्यालोके निगमागमसाहित्यस्य आगमपरम्परया आलोचनम्-रविदत्त शर्मा 1024
शिक्षा के अधिकार को साकार करती शिक्षा नीति-अमित कुमार पाण्डेय; डॉ० राघवेन्द्र सिंह 1029
पंचायती राज व्यवस्था के विकास में केन्द्र व राज्य सरकार की योजना की भूमिका-डॉ० डी०एन० सूर्यवंशी; संजय कुमार ध्रुव 1033
नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के विकास की विभिन्न योजनाओं का अध्ययन-डॉ० (श्रीमती) रोना मजूमदार;
डॉ० प्रमोद यादव; फैसल कुरैशी 1036
राज्य में प्रशासनिक एवं राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा का अध्ययन-डॉ० (श्रीमती) अलकामेश्राम; डॉ०डी.एन. सूर्यवंशी; दीपा 1039
अलवर ज़िले में महिला साक्षरता की दशा व दिशा-डॉ० राजेन्द्र प्रसाद 1043
योग और प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा-डॉ० प्रदीप कुमार; डॉ० सुरेन्द्रपाल सिंह 1047
तैत्तिरीयोपनिषद् में वर्णित शिक्षाध्यायवल्ली का स्वरूप-डॉ० योगिता मकवाना 1052
दलित महिलाओं के सशक्तिकरण में उच्च शिक्षा की भूमिका-आरती 1056
तकनीकी महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का अध्ययन-दिव्या मिश्रा; डॉ० तृषा शर्मा 1059
नारीवादी चिंतन एवं भारतीय दर्शन-डॉ० उपासना सिंह 1061
प्रभा खेतान का काव्य-संसार-नम्रता 1065
सिरमौरी लोक संगीत की परम्परा-सुनील कुमार 1069
भारत की जाति व्यवस्था और अंबेडकर के विचार-तबस्सुम प्रवीण 1072

Seth R.C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
DURG (C.G.)

21

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के विकास की विभिन्न योजनाओं का अध्ययन

डॉ० (श्रीमती) रीना मजूमदार

प्राचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय खुर्सीपार, भिलाई (छ.ग.)

डॉ० प्रमोद यादव

सह-निर्देशक, सहायक प्राध्यापक,एस.आर.सी.एस.कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग (छग.)

फैसल कुरैशी

शोधार्थी, एस.आर.सी.एस.कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग (छग.)

प्रस्तावना

भारत में स्वतंत्र्योत्तर काल में नगर नियोजन के महत्व को अनुभव किया गया। शहरी भूमि पर औद्योगिक, वाणिज्यिक, आवासीय एवं मनोरंजनात्मक गतिविधियों की भारी मांग को ध्यान में रखकर विभिन्न कार्यों हेतु भूमि के वितरण को प्रशासित करने वाले वैज्ञानिक सिद्धांतों की जरूरत रेखांकित की गयी। भविष्यकालीन यातायात सघनता को दृष्टिगत रखते हुए चौड़ी सड़कों का निर्माण किया जाने लगा। इमारतों की ऊंचाई को सड़कों की चौड़ाई के अनुसार निर्धारित किया गया ताकि मानवीय परिवेश को एक कलात्मक पहलू उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त निर्माणशील एवं खुले स्थानों के मध्य एक उचित संतुलन पर भी बल दिया गया।

एक नगर नियोजन प्राधिकरण द्वारा नगरों के भूमि उपयोग की योजना तैयार की जाती है तथा विशिष्ट भूमि उपयोग हेतु विभिन्न क्षेत्रों का सीमांकन किया जाता है। इन योजनाओं में पर्याप्त सड़क चौड़ाई, खुले स्थान तथा मूलभूत सुविधाओं (जल, विद्युत, स्कूल, अस्पताल इत्यादि) से जुड़े प्रावधान शामिल होते हैं।

मूल शब्द-नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के विकास की विभिन्न योजनाओं का अध्ययन

विकास की विभिन्न योजना

प्रदेश के सर्वांगीण विकास की अवधारणा के तहत रायपुर जिले के विकास के लिए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुरूप विकास कार्यों को मूर्त रूप प्रदान करने के लिये प्राधिकरण का गठन किया गया। अटल नगर विकास प्राधिकरण पहले नींव रखी है। भारत की स्मार्ट सिटी परियोजना के नाम से अटल नगर स्मार्ट प्रकाश व्यवस्था के अलावा बीआरटीएस, यह व्यापक वनीकरण का भी समर्थन करता है। घातीय आर्थिक, वित्तीय और तकनीकी विकास के साथ एक स्वच्छ आवासीय केंद्र है जो अटल नगर का लक्ष्य है। यह उपमहाद्वीप के हर आगामी एकीकृत शहर के लिए एक आदर्श मॉडल होने का अनुमान लगाता है।

अटल नगर विकास प्राधिकरण मूल रूप से कैपिटल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीएडीए) के रूप में जाना जाता है, 1 नवंबर 2000 को, जब एएनवीपी का सपना प्रोजेक्ट-अटल नगर को आने वाले महानगरीय शहर के रूप में प्रमुखता मिली। 250 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैले, अटल नगर विकास प्राधिकरण ने भारत के इस स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के प्रकृति के अनुकूल निर्माण और विकास को सुनिश्चित करने के लिए एक दृष्टिकोण से गले लगा लिया है।

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के संबंध में निम्नलिखित विकास योजना बनायी गयी है। ये निम्न है.

अटल नगर में स्मार्ट लाइटिंग

विकास दल के कुशल अभियंता भारत के पहले एकीकृत स्मार्ट शहर होने के अपने खिताब के लिए न्याय कर रहे एक स्मार्ट प्रकाश दृष्टिकोण के साथ गए। अटल नगर में एलईडी लाइटिंग तैनात करके, सरकार प्रति माह बिजली के काफी वाटों को बचाने में सक्षम होगी।

अटल नगर में भूमि पुनर्वास

अटल नगर के विकास मानकों के भीतर कुल 41 गांवों को विलय कर दिया गया। हालांकि, पुनः आवंटन के वजाय, सरकार ने इन क्षेत्रों को मूल योजना के भीतर शामिल करना चुना। इसके अलावा, एएनवीपी ने आपसी सहमति पर भूमि अधिग्रहण और निम्नलिखित मानदंडों को पूरा करने के लिए सुनिश्चित किया है

Seth R.C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
DURG (C.G.)

बिजली की उपलब्धता

[illegible] बिजली सुनिश्चित करने के लिए उन्नत तकनीकों के माध्यम से [illegible] शहर को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति [illegible] करता है। इस संबंध में उसने 11 किलोवाट प्रत्येक के 13 उप स्टेशन भी स्थापित किए हैं।

जल निकासी व्यवस्था

[illegible] को सतह से दूर रखने से कचरे को दूर रखने के लिए प्रतिस्पर्धी [illegible] जल निकासी व्यवस्था का [illegible] है।

जलापूर्ति

[illegible] के कारण भारत के इस एकीकृत स्मार्ट सिटी परियोजना के लिए 24 घंटे पानी की आपूर्ति [illegible] है।

संचार

[illegible] संचार सुविधाओं में अटल नगर से मुंबई और संबंधित क्षेत्रों को जोड़ने वाली प्रस्तावित ट्रेन लाइन शामिल है, [illegible] प्रणाली पुराने शहर में अपने नए समकक्ष में शामिल हो रही है।

स्वास्थ्य सुविधाएं

अपने निवासियों को पूर्ण सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का आश्वासन देने वाली अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं। इसलिए, अटल नगर के नियोजित और अल्ट्रा-आधुनिक ब्लॉकों में से एक में रहने से टिकाऊ भविष्य में आपका योगदान हो सकता है। भारत की यह एकीकृत स्मार्ट सिटी परियोजना आपकी सभी उम्मीदों को पूरा करने के लिए निश्चित है।

- 4,50,000 निवासियों के लिए आवासीय आवास।
- आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए समर्पित जोनिंग प्रणाली।
- पानी लॉगिंग से स्वतंत्र अटल नगर को रखने वाली कला जल निकासी व्यवस्था का राज्य।
- इस हरे रंग के क्षेत्र के केंद्र में नंदनवन जंगल सफारी।
- वनीकरण और मनोरंजक उद्देश्यों के लिए संभावित भूमि।
- इस क्षेत्र में आईटी विकास को समर्पित कॉर्पोरेट ब्लॉक।

इन विशिष्ट योजना के साथ नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण का गठन कर रायपुर को विकसित करने की योजना बनाई गई है।

प्रश्न 01 आप नया रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी रखते हैं।

तालिका क्रमांक 01

क्र.	अभिमत	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हाँ	195	65
2	नहीं	92	30.67
3	कह नहीं सकते	13	4.33
	योग	300	100

रेखाचित्र क्रमांक 02

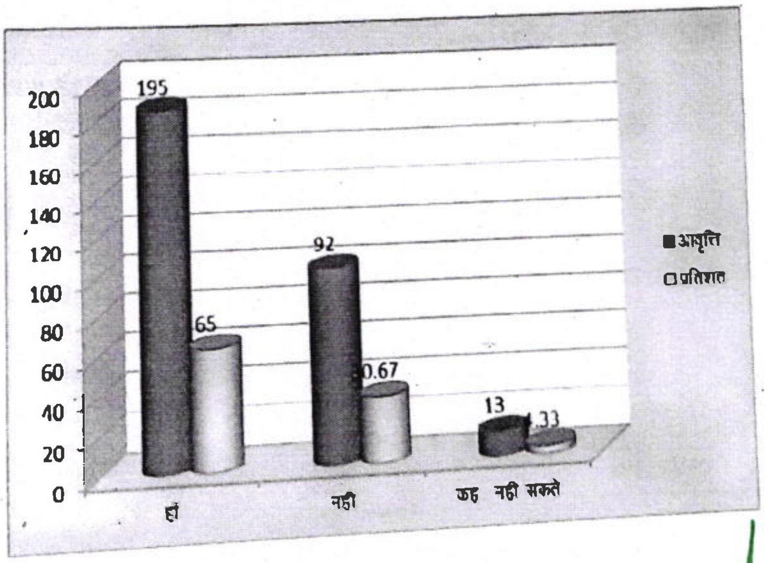

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm.
College Durg (C.G.)

[illegible]

[illegible]

तालिका क्रमांक 01

क्र.	अभिमत	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हाँ	165	55
2	नहीं	115	38.33
3	कह नहीं सकते	20	6.67
	योग	300	100

रेखाचित्र क्रमांक 01

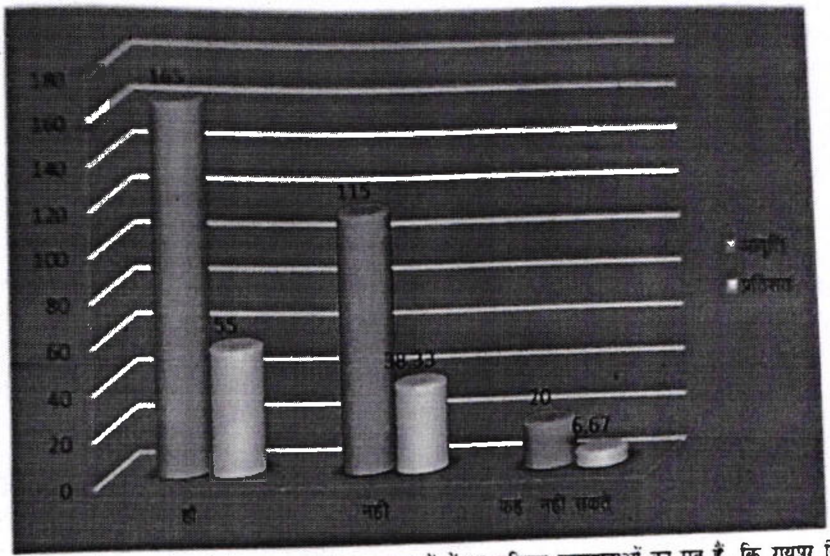

उपरोक्त तालिका के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि अध्ययनगत उत्तरदाताओं में 55 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मत है, कि रायपुर जिले के विकास हेतु एन.आर.डी.ए. (N.R.D.A.) की स्थापना एक महत्वपूर्ण सही निर्णय है वही 38.33 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मत है, कि रायपुर जिले के विकास हेतु एन.आर.डी.ए. (N.R.D.A.) की स्थापना एक महत्वपूर्ण सही निर्णय नहीं है। इसके साथ ही 6.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।

निष्कर्ष

विकास प्राधिकरणों ने अवस्थित निर्मित क्षेत्रों के भावी विकास की योजना बनाने से स्वयं को दूर रखा है एवं नये क्षेत्रों के नियोजन एवं विकास की ओर अपना ध्यान अधिक केन्द्रित रखा है इससे नगरों के प्राचीन भागों एवं नयी बस्तियों के मध्य संरचनात्मक, सामाजिक एवं सास्कृतिक दरार उत्पन्न हो गयी है। यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि विकास प्राधिकरणों ने प्राचीन एवं नवीन बस्तियों के मध्य माधुर्य उत्पन्न करने के स्थान पर दोष पूर्ण नियोजन उपागम द्वारा नगरीय संरचना में द्वैधता को जन्म दिया है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. कोठारी शांतिलाल एंड रामाश्रय, 'राय-रिलेशन्स बिटवीन पॉलिटीशियन्स एंड एडमिनिस्ट्रेटर्स एट दि डिस्ट्रिक्ट लेवल, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन 1996, पृ. 52, नई दिल्ली
2. जैन कन्हैया-दि चेंजिंग रोल ऑफ दि कलेक्टर इन मध्यप्रदेश एम.डी.पी.ए. डिजटेशन., आई.आई.पी.' 1998, पृ. 82, नई दिल्ली
3. मुंगा, एम.एस.-डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन, इन इंडिया, नेशनल 1999, पृ. 101, नई दिल्ली
4. डॉ. ए.पी. अवस्थी "विकास प्रशासन" लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन, 2000 पृष्ठ क्रमांक 1-33, आगरा
5. जी.आर.मदन "विकास का समाजशास्त्र" विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर, 2009 पृष्ठ क्रमांक 6, दिल्ली
6. जोहरी जे.सी. "तुलनात्मक राजनीति और विकास" मोहित पब्लिकेशन 1996 पृष्ठ क्रमांक 58, नई दिल्ली
7. cg.gov.in
8. प्रीता जोशी: विकास प्रशासन, 'आर.बी.एस.ए. पब्लिशर्स, 1996, पृ. 37-38, जयपुर

Seth R.C.S. Arts & Commerce DURG Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm.
College Durg (C.G.)